सी.बी.एस.ई.
हल प्रश्न-पत्र-2025
हिन्दी 'अ'
कक्षा-10th
(Delhi & Outside Delhi Sets)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश:—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए:

(*i*) *इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(*ii*) *इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं—**खंड- क, ख, ग, घ।***

(*iii*) ***खंड-'क'** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है।*

(*iv*) ***खंड-'ख'** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है।*

(*v*) ***खंड-'ग'** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है।*

(*vi*) ***खंड-'घ'** में कुल **4** प्रश्न हैं।*

(*vii*) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है, यद्यपि, कुछ खंडों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(*viii*) *यथासंभव **सभी** खंडों के उत्तर क्रमश: लिखिए।*

Delhi Set-1 | **कोड-3/4/1**

खंड: –'क'
(अपठित बोध)

14 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 7

लोक साहित्य का सृजन लोक ही है इसीलिए उसमें लोकजीवन की आत्मगाथा समाहित होती है। लोक साहित्य मानव जीवन जितना ही प्राचीन है। अपने जन्म के साथ ही मनुष्य ने कथाएँ कहनी शुरू कर दी थीं—यथार्थपरक भी और काल्पनिक भी। इन कथाओं में उसके अपने अनुभव की कथाएँ हैं। साथ ही अपने तत्कालीन समय और समाज की घटनाओं का समावेश है। समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदमताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा है। लोक साहित्य समय के साथ यात्रा करता आया है और परिवर्तनों को स्वीकारता रहा है।

लोक साहित्य की यह सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह परंपराओं का ध्यान रखते हुए भी रूढ़ियों को पकड़कर एक जगह ठहरता नहीं। वह समय के साथ चलता है और समय के सच से साक्षात्कार कराते हुए कभी-कभी समय से आगे चलता भी दिखता है। तभी कहा जाता है कि किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहाँ के लोक साहित्य को जानना आवश्यक है। क्योंकि उसमें संस्कृति का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

लोक साहित्य में लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य आदि रूप शामिल हैं। इनकी भाषा इतनी सहज-सरल-सरस होती है कि वे लोककंठो में बस जाती हैं। आज के आत्ममुग्ध और आत्म-प्रचार से दूर रहने की मन:स्थिति पर विस्मय ही कर सकते हैं। अपनी प्रसिद्धि, मान-सम्मान या अपने नाम के प्रचार की लालसा का भाव उनमें लेशमात्र भी नहीं था। अपनी रचनाओं में भी वे ऐसा संकेत करने से बचते रहे, जिससे उनकी पहचान की जा सके। अपने नाम के प्रचार के मोह से वे पूरी तरह मुक्त थे।

(i) लोक साहित्य में बदलाव क्यों होते रहते हैं? 1

(क) बदलाव से इनमें नवीनता बनी रहती है।

(ख) इसके आधार, समाज में बदलाव होते रहते हैं।

(ग) मनुष्य की कल्पनाएँ नए-नए रूप धारण करती हैं।

(घ) एक ही तरह का साहित्य नीरसता पैदा करता है।

(ii) लोक साहित्य के संबंध में अनुपयुक्त विकल्प है— 1

(क) लोक साहित्य का संबंध तत्कालीन समाज की परंपराओं से होता है।

(ख) लोक साहित्य के माध्यम से किसी समाज-देश की संस्कृति को जाना जा सकता है।

(ग) लोक साहित्य का सृजन समाज के एक वर्ग विशेष द्वारा किया जाता है।

(घ) लोक साहित्य समय के साथ आ रहे बदलाव के प्रति ग्रहणशील होता है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए: 1

कथन: लोक साहित्य रूढ़िवाद का समर्थक होता है।

कारण: यथार्थ और कल्पना पर आधारित होने के कारण इनमें बदलाव संभव नहीं है।

(क) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन और कारण दोनों सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(घ) कथन सही है किन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(iv) लोक साहित्य और संस्कृति को अंतर्संबंधित क्यों बताया गया है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 2

(v) लोक साहित्य सृजक अन्य साहित्य सृजकों से भिन्न कैसे होते हैं? किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

आदमी का स्वप्न? है वह बुलबुला जल का,
आज उठाता और कल फिर फूट जाता है,
किंतु फिर धन्य, ठहरा आदमी ही तो
बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है।
मैं न बोला, किन्तु मेरी रागिनी बोली
देख फिर से चाँद! मुझको जानता है तू
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं? है यही पानी
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू?
मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाती हूँ,
और उस पर नींव रखती हूँ नए घर की,
इस तरह दीवार फौलादी उठाती हूँ।
मनु नहीं, मनु-पुत्र है यह सामने, जिसकी,
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
बाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है।

(i) कॉलम-1 को कॉलम-2 से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प छाँटकर लिखिए: 1

कॉलम-1	कॉलम-2
(1) चाँद	(I) स्वप्न
(2) रागिनी	(II) सत्ताधारी निरंकुश शासक
(3) बुलबुले	(III) लेखनी/कविता

(क) (1-II), (2-I), (3-III)

(ख) (1-II), (2-III), (3-I)

(ग) (1-III), (2-I), (3-II)

(घ) (1-I), (2-III), (3-II)

(ii) आज का मानव अपने पूर्वजों से भिन्न कैसे है? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए: 1

(क) वह अपनी कल्पना को सच कर सकता है।

(ख) वह विचारों से अत्यंत विवेकशील है।

(ग) वह अपने सपने को साकार करना जानता है।

(घ) वह सिर्फ सपने देखना ही जानता है।

(iii) काव्यांश में 'नए घर की नींव रखने' से क्या अभिप्राय है? 1

(क) नवीन मान्यताओं को स्वीकारना

(ख) नए घर का निर्माण करना

(ग) नए घर का आधार बनाना

(घ) नए समाज की रचना करना

(iv) काव्यांश का मूल भाव 25-30 शब्दों में लिखिए। 2

(v) काव्यांश में मानव को धन्य क्यों कहा गया है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 2

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: $4 \times 1 = 4$

(i) एक बड़ी बात यह थी कि काशी के पास बिस्मिल्ला खाँ जैसा नायाब हीरा था। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ii) परंपरा को ज्यों का त्यों स्वीकार नहीं करना इस लेख की विशेषता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(iii) आज से ढाई हज़ार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने गृह त्याग दिया था। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(iv) जहाँ तुम्हारा घर है वहीं पास में मेरा भी घर है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(v) वह असहयोग आंदोलन से प्रभावित हुए और उन्होंने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4

(i) चलो, अब चला जाय। (वाच्य पहचानकर वाच्य भेद का नाम लिखिए)

(ii) डॉक्टर साहब द्वारा मन्नू की प्रशंसा की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iii) कविता प्रकृति की सुंदरता को प्रकट करती है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(iv) जिस वाक्य में क्रिया का केंद्र भाव हो, उसमें कौन-सा वाच्य होता है?

(v) लेखिका शाम होने पर घर लौटीं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए: 4×1=4

(i) मध्य सप्तक से नीचे की ध्वनि को मंद सप्तक कहते हैं।

(ii) साहसी युवती अभी बहुत कुछ कहना चाहती थी।

(iii) हालदार साहब पान के पैसे चुराकर वहाँ आ बैठे।

(iv) सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखंड और रूढ़ियों के खिलाफ़ उनकी रचनाएँ मुखर हैं।

(v) वे आजकल स्वतंत्र लेखन कर रहे हैं।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए: 4×1=4

(i) अस मन गुनइ राउ नहिं बोला
पीपर पात सरिस मन डोला

(ii) चरण कमल बंदौं हरि राई।
जाकी कृमा पंगु गिरि लंघै।

(iii) 'अतिशयोक्ति अलंकार' का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(iv) सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात।
मनहुँ नीलमणि सैल पर आतप पर्‌यौ प्रभात।

(v) तिनकों के हरे तन पर
हित हरित रुधिर है रहा झलक

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5×1=5

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहज़ीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकर से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

(i) **काशी में हनुमान की उपासना किस रूप में होती है?**

(क) कलाओं के स्वामी के रूप में

(ख) नृत्य के जनक के रूप में

(ग) शिव के अवतार के रूप में

(घ) एक अच्छे कलाकार के रूप में

(ii) **गद्यांश के अंतिम वाक्य में काशी की किस विशेषता का उल्लेख किया गया है?**

(क) समन्वयात्मकता **(ख)** संगीतात्मकता

(ग) भव्यता **(घ)** सहदयता

(iii) **इस गद्यांश का उद्देश्य है:**

(क) काशी के संगीतकारों का परिचय देना

(ख) विभिन्न राग-रागिनियों का परिचय देना

(ग) काशी की सांस्कृतिक परंपरा का परिचय देना

(घ) बिस्मिल्ला खाँ के धार्मिक-सौहार्द का परिचय देना

(iv) **काशी को 'संस्कृति की पाठशाला' क्यों कहा गया है?**

(क) यहाँ के शिक्षण संस्थान शास्त्रीय गायन को बहुत प्रोत्साहित करते हैं।

(ख) यहाँ के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में 'संस्कृति', विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।

(ग) यहाँ के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में 'संस्कृत' अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।

(घ) यहाँ सर्वत्र भारतीय संस्कृति की छाप देखी जा सकती है।

(v) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:**

कथन: संगीत और संगीत-प्रेम काशी की पहचान है।

कारण: काशी को उसकी ऐसी पहचान देने में सिर्फ बिस्मिल्ला खाँ का ही योगदान है।

(क) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

8. निर्धारित गद्य पाठों के आंधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: 3×2=6

(i) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक का नवाब के प्रति आरंभ से अंत तक व्यवहार अकड़ से भरा क्यों रहा?

(ii) "अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत पड़ोस कल्चर से विछिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।"– 'एक कहानी यह भी' से उद्धृत इस कथन में लेखिका ने किस 'पड़ोस कल्चर' का उल्लेख किया है?

(iii) हालदार साहब का हर बार कस्बे से गुजरते हुए मूर्ति के पास रुकना क्या दर्शाता है? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

(iv) पुत्र की मृत्यु पर बालगोबिन भगत के शोक मनाने का तरीका सामान्य लोगों के तरीके से सर्वथा अलग कैसे था? स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5×1=5

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुति बिन काज करिअत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहस्त्रबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।

(i) **परशुराम ने अपना परिचय क्या कहकर दिया?**
(क) मैं क्षत्रिय कुल का प्रसिद्ध संरक्षक हूँ।
(ख) मैं अत्यंत उग्र स्वभाव का हूँ।
(ग) मैं सहस्त्रबाहु का संरक्षक हूँ।
(घ) मैं ब्राह्मण कुल का संहारक हूँ।

(ii) **पद्यांश में 'जड़' का अर्थ है:**
(क) मूल **(ख)** स्रोत
(ग) नींव **(घ)** मूर्ख

(iii) **लक्ष्मण की वाणी कैसी थी?**
(क) व्यंग्यपूर्ण-भयपूर्ण **(ख)** गंभीर-भयपूर्ण
(ग) व्यंग्यपूर्ण-भयरहित **(घ)** भयपूर्ण-हास्यपूरित

(iv) **पद्यांश में बाल ब्रह्मचारी किसे कहा गया है?**
(क) परशुराम को **(ख)** लक्ष्मण को
(ग) रघुपति को **(घ)** महिदेव को

(v) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:**

कथन: लक्ष्मण का परशुराम के प्रति व्यवहार कोमलता से भरा और विनम्र था।

कारण: लक्ष्मण परशुराम के विचार, आचार और व्यक्तित्व से अत्यंत प्रभावित थे।

(क) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: 3×2=6

(i) 'संगतकार' कविता से उद्धृत पंक्ति " वह आवाज़ सुन्दर काँपती हुई थी" में कवि ने संगतकार की आवाज़ सुन्दर किंतु काँपती हुई-सी क्यों कहा है?

(ii) 'अट नहीं रही है' कविता का कोई अन्य शीर्षक दीजिए तथा उसका कारण भी स्पष्ट कीजिए।

(iii) कवि ने 'फसल' को पानी का जादू क्यों कहा है?

(iv) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि न तो अपने जीवन के दु:ख और विफलताओं से दूसरों को परिचित कराना चाहता है और न ही अपनी सुखद स्मृतियों को किसी के साथ साझा करना चाहता है। कवि की इस सोच के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: 2×4=8

(i) हिरोशिमा जैसी भयावह घटना/परिस्थिति को रोकने के लिए युवा पीढ़ी क्या कर सकती है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

(ii) यद्यपि पर्वतीय क्षेत्रों के विकास में पर्यटन उद्योग का महत्त्वपूर्ण स्थान है तथापि यही पर्यटन इन क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण हेतु भी उत्तरदायी है। 'साना-साना हाथ जोड़ि..' के आधार पर लिखिए कि इसे कैसे संतुलित किया जा सकता है?

(iii) भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा खेले जाने वाले खेलों से, वर्तमान में सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स की गिरफ्त में फँसे बच्चे क्या प्रेरणा ले सकते हैं? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

20 अंक

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: 6

(i) जलवायु परिवर्तन: गहराता संकट

संकेत बिंदु– • जलवायु परिवर्तन क्या है?
• जलवायु परिवर्तन के कारण
• समस्या एवं समाधान

(ii) नारी सशक्तीकरण

संकेत बिंदु– • नारी सशक्तीकरण का अर्थ
• वर्तमान में इसकी आवश्यकता क्यों?
• भारत में स्थिति एवं सुझाव

(iii) नैतिक शिक्षा: आज की आवश्यकता

संकेत बिंदु– • नैतिक शिक्षा का अर्थ
• वर्तमान में इसकी आवश्यकता क्यों?
• प्रभाव एवं सुझाव

13. (i) आप रंजना/ राजन हैं। संयमित और स्वस्थ जीवन शैली का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ii) आपके पिताजी का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया है। नए विद्यालय में प्रवेश हेतु आपको चरित्र प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। इस हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। अपका नाम रंजना/ राजन है। **5**

14. (i) आप नीलाक्षी/नीलकांत हैं। स्थानीय शॉपिंग सेंटर में कंप्यूटर ऑपरेटर का पद रिक्त है और आप स्वयं को पद के योग्य मानते हैं। उपर्युक्त पद हेतु आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। **5**

अथवा

(ii) आप नीलाक्षी/नीलकांत हैं। आपके पिताजी का पैन कार्ड कहीं खो गया है। इस संबंध में आयकर अधिकारी को अपने पिताजी की ओर से लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। **5**

15. (i) ऊर्जा संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए। **4**

अथवा

(ii) आपकी बड़ी बहन की पदोन्नति कैप्टन से मेजर के रूप में हुई है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए। **4**

Delhi Set-2 **कोड-3/4/2**

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।(संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ii) माना जा सकता है कि वे संस्कृत बोल सकती थीं। (सरल वाक्य में बदलिए)

(iii) वह स्वंय न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद का नाम लिखिए।)

(iv) जब मैं घर पहुँची तब रात हो चुकी थी।(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(v) 'पानी बचाओ' विषय से जुड़े विज्ञापनों को एकत्रित कीजिए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) पिताजी ने मन्नू भंडारी को बधाई दी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ii) उनके दकियानूसी मित्र द्वारा मेरी खूब बुराई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iii) तुमसे ठीक से कूदा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

(iv) कहानी कवि की सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करती है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(v) किस वाच्य में प्राय: असमर्थता प्रकट करने वाली क्रियाओं का प्रयोग होता है?

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए: 4×1=4

(i) उन्होंने बताया कि संगीत एक आराधना है।

(ii) वे बेहद कोमल और संवेदनशील थे।

(iii) 'नेताजी का चश्मा' नामक कहानी स्वयं प्रकाश जी ने लिखी है।

(iv) रामवृक्ष बेनीपुरी की भाषा सहज, प्रवाहमयी तथा प्रसंगों से भरी हुई है।

(v) पान वाले ने पीछे की तरफ मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए: 4×1=4

(i) उस काल मारे क्रोध के तन काँपने उसका लगा।
मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।

(ii) धँस गए धरा में सभय शाल

(iii) गुरु चरणकमल बलिहारी रे।
मेरे मन की दुविधा टारी रे।

(iv) उदाहरण देकर 'अतिशयोक्ति अलंकार' को स्पष्ट कीजिए।

(v) सागर-सा गंभीर हृदय हो,
गिरि-सा ऊँचा हो जिसकी मन।

Delhi Set-3 **कोड-3/4/3**

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 व Set-2 में हैं।

खंड-'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) बिस्मिल्ला खाँ की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने 80 वर्ष की अवस्था तक संगीत सीखने की जिजीविषा को बनाए रखा।(संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

(ii) यही वह विवेकपूर्ण दृष्टि है जो संपूर्ण नवजागरण काल की विशेषता है।(सरल वाक्य में बदलिए)

(iii) कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दु:ख में बिता दिया। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(iv) जब मैं विद्यालय पहुँची, छुट्टी हो चुकी थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(v) काशी में संगीत आयोजन की एक परंपरा है जो प्राचीन और अद्‌भुत है। (सरल वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4

(i) माताजी द्वारा मेरी प्रशंसा सुनी गई (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ii) निराला जी विवेकानंद के विचारों से प्रभावित हुए। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

(iii) किस वाच्य में सिर्फ अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है?

(iv) पिता के मित्र ने मेरा भाषाण सुना। (कर्मवाच्य बदलिए)

खंड-'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: 2×4=8

(i) आजकल के बच्चों के खेल भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेलों से किस रूप में भिन्न हैं? आपको दोनों से ज्यादा रुचिकर क्या लगता है? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

(ii) लिखकर स्वयं को कैसे जाना जा सकता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(iii) 'साना-साना हाथ जोड़ि..' में लेखिका को कब और क्यों यह अनुभव हुआ कि तमाम भौगोलिक विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूत भारत की आत्मा एक ही है?

(v) मुझसे चला नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए: 4×1=4

(i) हालदार साहब कुछ पल चुपचुप-से सामने देखते रहे।

(ii) अपनी दादी से उस समय की परिस्थितियों का पता लगाइए।

(iii) उनकी संगठन क्षमता और विरोध का तरीका देखने योग्य था।

(iv) प्राकृत का एक प्रसिद्ध ग्रंथ 'गाथा सप्तशती' है।

(v) वे एक मूक प्रतिनिधि नहीं बन सकती थीं।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए: 4×1=4

(i) उस काल मारे क्रोध के तन काँपने उनका लगा।
मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।

(ii) मेघ आए बन-ठन के सँवर के
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली।

(iii) मुख बाल रवि सम लाल होकर
ज्वाला-सा बोधित हुआ।

(iv) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो,
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु, किरपा कर अपनायो।

(v) 'अतिशयोक्ति अलंकार' को एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: 2×4=8

(i) भोलानाथ और उसके साथी खेल-खेल में चिड़ियों-चूहों आदि को तंग किया करते थे। क्या उनका ऐसा करना उचित था? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्क सम्मत उत्तर दीजिए।

(ii) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने विज्ञान के विनाशकारी रूप को विशेषकर उजागर किया है। क्या लेखक की दृष्टि से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

(iii) गंगटॉक के वर्तमान सुंदर स्वरूप में वहाँ के निवासियों का क्या योगदान है? 'साना-साना हाथ जोड़ि..' के आधार पर लिखिए।

Outside Delhi Set-1 **कोड-3/6/1**

खंड–'क'
(अपठित बोध)

14 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

शिक्षकों को अपने यहाँ बहुत से विशेषणों से संबोधित किया जाता रहा है। शिक्षक को राष्ट्र-निर्माता कहा जाता है। युवा पीढ़ी का सुधारक, मशाल-वाहक और पथ-प्रदर्शक भी कहा जाता है। शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ अपने शिष्यों को जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान प्रदान करते हैं। मानव जाति के लिए नई सोच और दृष्टिकोण की अपेक्षा भी शिक्षकों से ही की जाती है। शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका समाज को सशक्त और समृद्ध बनाने में भी है।

हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा ओर प्राचीन ग्रंथों में जगह-जगह एक आदर्श गुरु के गुणों को वर्णित किया गया है। स्कंद पुराण के गुरु-स्तोत्रम् में तो गुरुओं की तुलना ब्रह्मा, विष्णु और महेश से की गई है तथा गुरु को साक्षात् परब्रह्म माना गया है। एक अच्छे गुरु में गहन ज्ञान, विद्वत्ता, करुणा, नैतिकता व चरित्र, नवीनता, नवाचार, अनुशासनप्रियता और समानता का भाव अपेक्षित है। यही गुण एक गुरु को महान् बनाते हैं और शिष्यों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। अपनी सदी के महान् कवि और संत कबीरदास जी ने भी कहा है–'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट'–अर्थात् गुरु कुम्हार है और शिष्य घड़ा है जो गढ़-गढ़ कर शिष्य की कमियों को दूर करता है। शिक्षक अपने सफल मार्गदर्शन द्वारा शिष्यों को उनकी शक्तियों से परिचित कराते हुए उनके विकास के मार्ग को प्रशस्त करते हैं। शिक्षक समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

(i) शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ शिष्यों को प्रदान करता है– 1

(क) नैतिक मूल्यों का ज्ञान
(ख) धन-अर्जित करने का ज्ञान
(ग) पेशेवर विकास का ज्ञान
(घ) भविष्य सुनिश्चित करने का ज्ञान

(ii) गुरु को ब्रह्मा क्यों कहा गया है? 1

(क) छात्रों के हित गुरु के भीतर छिपी कल्याण-भावना के कारण
(ख) समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण
(ग) छात्रों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के कारण
(घ) रोजगार हेतु विद्यार्थियों में कौशल विकास करने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए: 1

कथन: मानव जाति के लिए नई सोच और दृष्टिकोण विकसित करना शिक्षक का दायित्व है।

कारण: हमारी ज्ञान परंपरा और ग्रंथों में गुरु को महान् बताया गया है।

(क) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(ख) कारण सही है लेकिन गथन गलत है।
(ग) कथन सही है लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) शिक्षक को पथ-प्रदर्शक क्यों कहा जाता है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 2

(v) कबीरदास जी ने गुरु की तुलना कुम्हार से क्यों की है? किन्हीं दो कारणों को स्पष्ट कीजिए। 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

लीक पर वे चले जिनके
चरण दुर्बल और हारे हैं
हमें तो जो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।
साक्षी हों राह रोके खड़े

पीले बाँस के झुरमुट,
कि उनमें गा रही है जो हवा
उसी से लिपटे हुए सपने हमारे हैं।
शेष जो भी हैं—
वक्ष खोले डोलती अमराइयाँ
गर्व से आकाश थामे खड़े
ताड़ के ये पेड़
हिलती क्षितिज की झालरें,
झूमती हर डाल पर बैठी
फलों से मारती
खिलखिलाती शोख अल्हड़ हवा
गायक-मंडली-से थिरकते
आते गगन में मेघ,
वाद्य यंत्रों से पड़े टीले,
नदी बनने की प्रतीक्षा में, कहीं नीचे
शुष्क नाले में नाचता एक अँजुरी जल
सभी, बन रहा है कहीं जो विश्वास
जो संकल्प हममें
बस उसी के सहारे हैं

(i) कवि पूर्व निर्मित मार्ग का अनुसरण क्यों नहीं करना चाहता है? 1

(क) वह किसी और का अनुचर बनकर रहना चाहता है।
(ख) किसी और के द्वारा निर्मित मार्ग उसे अच्छा नहीं लगता है।
(ग) कवि आत्मविश्वासी है और अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहता है।
(घ) किसी अन्य द्वारा निर्मित मार्ग पर चलना उसे अनुचित लगता है।

(ii) किस तरह के लोग दूसरों के सहारे जीवन जीते हैं? 1

(क) जो आज्ञाकारी प्रवृत्ति के होते हैं।
(ख) जो अक्षम और निराश होते हैं।
(ग) जो जल्दी सफल होना चाहते हैं।
(घ) जिनके सपने बहुत बड़े होते हैं।

(iii) बादलों की तुलना किससे की गई है? 1

(क) अपनी ही धुन पर थिरकती गायक मंडली से
(ख) दूसरों की धुन पर थिरकती गायक मंडली से
(ग) अपनी ही धुन में मग्न नर्तक मंडली से
(घ) तीव्र गति से नृत्या करती नर्तक मंडली से

(iv) "हमें तो जो हमारी यात्रा से बने ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।"—का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(v) प्रकृति के विविध घटक कवि को क्या प्रेरणा देते हैं? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 2

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4

(i) काशी में कलाधर-हनुमान हैं और नृत्य-विश्वनाथ हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)
(ii) शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
(iii) यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाए तो वह संस्कृति नहीं रह जाएगी। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)
(iv) जो ये बातें बता रहे हैं, वे पिताजी के मित्र हैं। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)
(v) खतरनाक रास्ते होने के कारण हम मौन हो गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4

(i) पंत ने प्रकृतिपरक कविताएँ लिखी हैं। (कर्मवाक्य में बदलिए)
(ii) मुझसे हँसा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)
(iii) उनके द्वारा मुझे सच्चाई का अहसास कराया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
(iv) वह उन आटे की गोलियों को लेकर गंगा जी की ओर चल पड़ते। (वाच्य पहचानकर वाच्य-भेद का नाम लिखिए)
(v) किस वाच्य में क्रिया सदैव सकर्मक होती है?

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए: 4×1=4

(i) काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है।
(ii) भवभूति संस्कृत साहित्य के प्रधान नाटककार हैं।
(iii) हम लोग रोते-चिल्लाते भाग चले।
(iv) चिंतकों ने समाज में लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक चेतना का विकास किया।
(v) उन्होंने बौद्ध धर्म का प्रचार अपने पूरे जीवन भर खूब किया।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए: 4×1=4

(i) अभिमन्यु-धन के निधन से कारण हुआ जो मूल है

इससे हमारे हत हृदय को, हो रहा जो शूल है।

(ii) अंग-अंग नग जगमगत दीप-सिखा सी देह।

(iii) उदाहरण द्वारा अतिशयोक्ति अलंकार स्पष्ट कीजिए।

(iv) मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

(v) सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनहु नील मनि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात।।

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधित उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **5×1=5**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए।

(i) हालदार साहब किस बात पर आश्चर्यचकित रह गए?

(क) पानवाले द्वारा कैप्टन मज़ाक उड़ाने पर

(ख) कैप्टन की शारीरिक अवस्था को देखकर

(ग) कैप्टन को चश्मा बेचते हुए देखकर

(घ) ड्राइवर को बेचैन होते देखकर

(ii) दिव्यांग होते हुए भी कैप्टन द्वारा फेरी लगाकर अपना गुजर-बसर करना दर्शाता कि वह ..... था। (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(क) आत्मविश्वासी **(ख)** स्वाभिमानी

(ग) सक्षम **(घ)** स्वावलंबी

(iii) पानवाला किसका मज़ाक उड़ा रहा था?

(क) हालदार साहब का **(ख)** नेताजी का

(ग) चश्मेवाले का **(घ)** दुकानवाले का

(iv) हालदार साहब जीप में बैठकर क्यों चले गए?— इस प्रश्न के उत्तर के लिए निम्नलिखित कथन पढ़िए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

(क) पानवाला कैप्टन के विषय में और अधिक बात करने को तैयार नहीं था।

(ख) कैप्टन की शारीरिक अवस्था देखकर निराश हो गए थे।

(ग) उन्हें आवश्यक कार्यालयी काम निपटाना था।

(घ) ड्राईवर बेचैन हो रहा था।

विकल्प:

(क) (i) और (iii) दोनों **(ख)** (ii) और (iv) दोनों

(ग) (i) और (iv) दोनों **(घ)** केवल (i)

(v) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन : हालदार साहब के मन में कैप्टन के प्रति सम्मान का भाव था।

कारण : सुभाष बाबू के प्रति कैप्टन के विशेष लगाव को देखकर वह उससे प्रभावित थे।

(क) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ख) कारण गलत है किंतु कथन सही है।

(ग) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन सही है किंतु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है।

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: **3×2=6**

(i) 'बालगोबिन भगत एक सच्चे गृहस्थ भी थे।' स्पष्ट कीजिए।

(ii) "ई काशी छोड़कर कहाँ जाएँ" बिस्मिल्ला खाँ के मन में काशी के प्रति विशेष अनुराग के क्या कारण थे?

(iii) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर संस्कृति और असंस्कृति में अंतर बताइए।

(iv) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका के जीवन पर उनकी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का क्या प्रभाव पड़ा?

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए: **5×1=5**

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नन्द-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करुई ककरी
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपी, जिनके मन चकरी।

(i) गोपियों के अनुसार उद्धव द्वारा किन लोगों को योग की शिक्षा दी जानी चाहिए?

(क) जिनके मन में कृष्ण के प्रति भक्ति हो

(ख) जो योग के बारे में जानना चाहते हों

(ग) जो भक्ति मार्ग को हृदय से अपनाना चाहते हों

(घ) जिनका मन कृष्ण के प्रति स्थिर न हो

(ii) **'हारिल' और 'हारिल की लकड़ी' किनके प्रतीक हैं?**

(क) कृष्ण-कृष्ण (ख) कृष्ण-गोपियाँ

(ग) गोपियाँ-कृष्ण (घ) कृष्ण-उद्धव

(iii) **पद्यांश में व्याधि किसे बताया गया है?**

(क) कृष्ण के मित्र उद्धव को

(ख) उद्धव के बताए योग को

(ग) कटुक स्वाद वाली ककड़ी को

(घ) कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम को

(iv) **दिए गए कथनों में से काव्यांश के संदर्भ में सही विकल्प का चयन कीजिए:**

(क) गोपियाँ दिन-रात कृष्ण के नाम का जप करती रहती हैं।

(ख) गोपियाँ उद्धव को भी योग त्यागने की सलाह देती हैं।

(ग) गोपियाँ उद्धव को भी भक्ति मार्ग अपनाने को कहती हैं।

(घ) गोपियाँ कृष्ण से प्रेम करके बहुत पछता रही हैं।

(v) **कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

कथन: गोपियाँ कृष्ण के प्रति अपने अगाध प्रेम के कारण भ्रमित थी।

कारण: प्रेम और विश्वास की गहराई से व्यक्ति में सूझ-बूझ की कमी हो जाती है।

(क) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(ख) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(घ) कथन सही हैं किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: $3 \times 2 = 6$

(i) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में शिशु से मिलकर कवि को कैसी अनुभूति होती है?

(ii) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि ने किस सत्य को उजगार किया है?

(iii) "आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन" 'उत्साह' कविता से उद्धृत इस पंक्ति में बादलों को 'अनंत के घन' क्यों कहा गया है?

(iv) "तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे—यह गागर रीती।" कहकर कवि ने अपने जीवन के किस पहलू पर प्रकाश डाला है?

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: $2 \times 4 = 8$

(i) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि कृतिकार के स्वभाव और आत्मानुशासन का लेखन में क्या महत्त्व है?

(ii) "जितेन नार्गे गाइड के साथ किसी भी पर्यटन स्थल का भ्रमण अधिक आनंददायक और यादगार हो सकता है।" इस कथन के समर्थन में 'साना साना हाथ जोड़ि.....' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

(iii) 'माता का अँचल' पाठ के बाबूजी माताजी से कब और क्यों नाराज़ हो जाते थे? संतान के प्रति इस प्रकार का व्यवहार क्या आपको अपने घर या घर के आसपास भी दिखाई देता है, संक्षेप में वर्णन कीजिए।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

20 अंक

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए:

(क) पर्यावरण की आत्मा : वृक्ष

संकेत बिंदु—

- पर्यावरण क्या है
- पर्यावरण में वृक्षों का महत्त्व
- वृक्षरोपण अभियान

(ख) डिजिटल इंडिया

संकेत बिंदु—

- डिजिटल इंडिया क्या है
- डिजिटल होने के लाभ
- सरकार द्वारा उठाए गए कदम

(ग) डेंगू बुखार की मार

संकेत बिंदु—

- डेंगू क्या है
- डेंगू के कारण
- लक्षण एवं बचाव के उपाय

13. (i) आप अदिति/ आदित्य हैं। आपकी दादीजी को खेलों में अत्यधिक रुचि है। ओलंपिक खेल-2024 में भारत के प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ii) आप अदिति/आदित्य हैं। आपके मोहल्ले में आवारा पशुओं की समस्या बहुत बढ़ गई है। इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए स्थानीय नगरपालिका अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

14. (i) आप भव्या/भव्य हैं। आपने पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक डिग्री (बी.लिब.) प्राप्त की है। आपके क्षेत्र के सार्वजनिक पुस्तकालय अध्यक्ष का पद रिक्त है। उक्त पद के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत तैयार कीजिए। 5

अथवा

(ii) आप भव्या/भव्य हैं। विद्यालय में नामांकन के समय जन्मतिथि गलत दर्ज हो गई है। दसवीं के पंजीकरण से पहले आप इसे सुधरवाना चाहते हैं। जन्मतिथि में सुधार हेतु निवेदन करते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। 5

15. (i) सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता हेतु ट्रैफिक पुलिस की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 100 शब्दों में तैयार कीजिए। 4

अथवा

(ii) प्रादेशिक स्तर पर आयोजित होने वाली 100 मीटर की बाधा दौड़ में आपके मित्र को प्रथम स्थान मिला है। उसे बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में सदेंश लिखिए। 4

Outside Delhi Set-2 **कोड-3/6/2**

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखित: 4×1=4**

(i) काशी संस्कृति की पाठशाला है और शास्त्रों का आनंदकानन है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ii) शकुंतला द्वारा रचे गए श्लोक की भाषा संस्कृत थी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(iii) यदि कार्ल मार्क्स ने ऐसा जीवन न जिया होता तो हम उन्हें याद नहीं करते। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(iv) यह वही महिला हैं जो पुस्तकालय में मिली थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(v) पूजा-पाठ करके पिताजी राम-राम लिखते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4**

(i) कर्त्ता की प्रधानता वाले वाक्य में कौन-सा वाच्य होता है?

(ii) उन्होनें सामाजिक छवि को उजागर किया। (कर्मवाक्य में बदलिए)

(iii) उनसे बैठा नहीं जाता। (वाक्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

(iv) निराला द्वारा अनेक गीतों की रचना की गई है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(v) स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं द्वारा सक्रियता से भाग लिया गया। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

5. **निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए: 4×1=4**

(i) एक आदमी लंगड़ाते हुए चला आ रहा था।

(ii) द्विवेदी जी के निबंध उनकी दूरगामी और खुले सोच के परिचयाक हैं।

(iii) हिरण अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में घूमता है।

(iv) नीति, न्याय, सदाचार और धर्म की आप प्रत्यक्ष मूर्ति हैं।

(v) उन्होंने देश-विदेश की काफी यात्राएँ कीं।

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए: 4×1=4**

(i) देख्यौ चाहति कमलनैन को, निसिदिन रहति उदासी।

(ii) उदाहरण देकर अतिशयोक्ति अलंकार स्पष्ट कीजिए।

(iii) कुसुमावलि-सी पुलकित महान
सागर के उर पर नाच-नाच करती है लहरें मधुर गान।

(iv) सोने का कलस लिए उषा चली आ रही
माथे पर दमक रही आभा सिंदूर की

(v) अति कटु वचन कहित कैकेई।
मानहु लोन जरे पर देई।

11. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: 2×4=8**

(i) भोलानाथ और उसके साथियों के नाटकों के खेल में बाबूजी अकसर शामिल हो जाते थे परंतु उनके शामिल होते ही बच्चे उस नाटकीय खेल का समाप्त कर भाग खड़े होते थे। आपके विचार में बाबूजी का ऐसा करना कहाँ तक उचित था? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

(ii) 'साना साना हाथ जोड़ि .....' पाठ में देश की समीओं पर तैनात उन फ़ौजियों का उल्लेख है जो अत्यंत विषम प्राकृतिक परिस्थितियों में भी अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते हैं। एक जागरूक नागरिक के रूप में आप अपने गाँव/शहर के लिए क्या कर सकते है? पाठ के आधार पर बताइए।

(iii) 'अज्ञेय' हिरोशिमा पर कविता लिखने के लिए क्यों विविश हुए? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

Outside Delhi Set-3 **कोड–3/6/3**

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 व Set-2 में हैं।

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4

(i) काशी आज भी संगीत के स्वर पर जागती है और उसी के स्वरों पर सोती है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ii) द्विवेदी जी ने लेखकों की सुविधा के लिए व्याकरण वर्तनी के नियम स्थिर किए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(iii) यदि सिद्धार्थ ने भी यही किया होता तो वह गौतम बुद्ध नहीं बन पाते। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(iv) यह वही लड़का है, जो कल यहाँ आया था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(v) सुबह की प्रार्थना के ये बोल मैंने एक नेपाली युवक से सीखे थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×1=4

(i) बालगोबिन द्वारा पतोहू को मायके भेज दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ii) किस वाच्य में सिर्फ अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है?

(iii) मुझसे अब दौड़ा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

(iv) निराला ने अपनी रचनाओं के माध्यम से परिवर्तन का आह्वान किया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(v) बादल गर्जन-तर्जन के साथ बरस रहे हैं। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए: 4×1=4

(i) संगीतज्ञ साधारण ध्वनि को मध्य सप्तक कहते हैं।

(ii) ऋग्वेद के पाँचवें मंडल में इसका उल्लेख है।

(iii) हालदार साहब मूर्ति के सामने देर तक सावधान की मुद्रा में खड़े रहे।

(iv) उनकी यह सफलता उनकी विद्या और शिक्षा का ही परिणाम है।

(v) वे हमें अनेक जटिल प्रश्नों से टकराने की प्रेरणा देते हैं।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए: 4×1=4

(i) अंबर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी।

(ii) उदाहरण देकर अतिशयोक्ति अलंकार को स्पष्ट कीजिए।

(iii) पूछे बिन कोऊ काहू सों न करे बात
देवता से बैठे सब, साधि-साधि मौन हैं।

(iv) कुछ ऐसे भोर की बयार गुनगुना उठी,
अलसाए कुहरे की बाँह सिमटने लगी।

(v) हरि मुख मानो मधुर मयंक

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: 2×4=8

(i) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के प्रति उसके माता-पिता के वात्सल्य का उल्लेख है। क्या वर्तमान में भी बच्चों को अपने माता-पिता से ऐसा ही प्रेम मिल पाता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

(ii) गहन संवेदना की अनुभूति सृजन के लिए प्रेरित करती है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'साना साना हाथ जोड़ि' ..... के आधार पर सिक्किम जैसे पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

❑❑❑

उत्तरमाला

Delhi Set-1 **कोड-3/4/1**

खंड–'क'
(अपठित गद्यांश)

14 अंक

1. (i) विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदमताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा है।

(ii) विकल्प (ग) सही है।

(iii) विकल्प (ख) सही है।

(iv) लोक साहित्य और संस्कृति को अंतर्संबंधित इसलिए बताया गया है क्योंकि—

(क) किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहाँ के लोगों का साहित्य को जानना आवश्यक है।

(ख) लोक साहित्य में संस्कृत का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

(v) लोक साहित्य सृजक अन्य साहित्य सृजकों से भिन्न होते हैं क्योंकि—

(क) लोक साहित्य में आत्ममुग्धता और आत्मप्रचार नहीं होता है।

(ख) लोक साहित्य सर्जकों में अपनी प्रसिद्धि मान-सम्मान की लालसा का भी भाव लेश मात्र नहीं रहता।

2. (i) विकल्प (ख) सही है।

(ii) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—आज का मानव पूर्वजों से भिन्न हैं क्योंकि वह विवेकशील है और अपने सपनों को साकार करता है।

(iii) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—नए घर की नींव रखने से अभिप्राय है नए समाज की रचना करना।

(iv) कविता बहुत ही सरल सहज भाषा में लिखी गयी है, परन्तु इसका सन्देश बहुत ही गम्भीर एवं जीवनपयोगी है। प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने यह बताया है कि आदमी स्वंय ही उलझनों का जाल बुनकर उसमें फँस जाता है। दिनकर जी ने इस कविता में सपनों की गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए बताया है कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए, तरक्की के लिए सपनें देखना तो ज़रूरी है, लेकिन वो स्वप्न दिवास्वप्न नहीं होने चाहिए। हमारे सपने यथार्थवादी धरातल पर देखे गए महान् सपने होने चाहिए।

(v) काव्यांश में मानव को धन्य कहा गया है क्योंकि—

(क) आदमी हमेशा नये-नये स्वप्न देखता है।

(ख) आदमी अपने स्वप्न को साकार भी करता है।

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) काशी के पास बिस्मिल्ला खाँ जैसा नायाब हीरा था और यह एक बड़ी बात थी।

(ii) इस लेख की विशेषता है कि परंपरा को ज्यों का त्यों स्वीकार नहीं करना।

(iii) सरल वाक्य

(iv) 'जहाँ तुम्हारा घर है।' क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य है।

(v) उन्होंने असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।

4. (i) भाववाच्य

(ii) डॉक्टर साहब ने मन्नू की प्रशंसा की।

(iii) कविता द्वारा प्रकृति की सुन्दरता को प्रकट किया जाता है।

(iv) भाववाच्य

(v) लेखिका द्वारा शाम होने पर घर लौटा गया।

5. (i) मंद-गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'सप्तक' विशेष्य का विशेषण

(ii) युवती-जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक

(iii) वहाँ-स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'आ बैठे' क्रिया की विशेषता

(iv) और-समानाधिकरण समुच्चबोधक अव्यय

(v) वे अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

6. (i) उपमा अलंकारन

(ii) रूपक अलंकार

(iii) देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन को जा रही।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में बात को लोक-सीमा से बहुत ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

(iv) उत्प्रेक्षा

(v) मानवीकरण

खंड–'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

7. (i) **विकल्प (क) सही है।**
व्याख्या—काशी में हनुमान की उपासना कलाओं के स्वामी के रूप में होती है।

(ii) **विकल्प (क) सही है।**

(iii) **विकल्प (ग) सही है।**
व्याख्या—प्रस्तुत गद्यांश का उद्देश्य काशी की सांस्कृतिक परंपरा का परिचय देना है।

(iv) **विकल्प (घ) सही है।**
व्याख्या—काशी को सांस्कृतिक की पाठशाला कहा गया है क्योंकि यहाँ सर्वत्र भारतीय संस्कृतिक की छाप देखी जा सकता है।

(v) **विकल्प (घ) सही है।**

8. (i) लेखक का नवाब साहब के प्रति व्यवहार आंरभ से अंत अकड़ से भरा रहा क्योंकि उन्हें नवाब साहब की बनावटी शान-शौकत और दिखावटी तहज़ीब पसंद नहीं थी। नवाब साहब की औपचारिकता और दिखावे के कारण लेखक ने भी पूरे समय स्वाभिमान बनाए रखा और उसी लहजे में व्यवहार किया।

(ii) इस कथन में लेखिका ने भारतीय समाज के पारंपरिक " पड़ोस कल्चर" का उल्लेख किया है, जहाँ पड़ोसी आपसी सहयोग, आत्मीयता और सामूहिक जीवन का हिस्सा होते थे। वे दु:ख-सुख में साथ खड़े रहते थे, जिससे व्यक्ति सुरक्षित और भावनात्मक रूप से जुड़ा महसूस करता था।

(iii) हालदार साहब का हर बार कस्बे से गुजरते हुए मूर्ति के पास रुकना उनके अंदर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के प्रति गहरे सम्मान और श्रद्धा को दर्शाता है। यह उनके राष्ट्रप्रेम, नेताजी के विचारों के प्रति आस्था और उनके संघर्ष को स्मरण करने की भावना प्रकट करता है।

(iv) बालगोबिन भगत ने अपने पुत्र की मृत्यु पर सामान्य लोगों की तरह शोक नहीं मनाया। वे विलाप या क्रंदन करने के बजाए भजन-कीर्तन में लीन रहे। उन्होंने मोह-ममता से ऊपर उठकर ईश्वर की इच्छा को स्वीकार किया और शांति व संतुलन बनाए रखा।

9. (i) **विकल्प (ख) सही है।**
व्याख्या—परशुराम ने अपना परिचय यह कहकर दिया कि मैं अत्यंत उग्र स्वभाव का हूँ।

(ii) **विकल्प (घ) सही है।**
व्याख्या—प्रस्तुत पंद्याश में 'जड़' का अर्थ 'मूर्ख' है।

(iii) **विकल्प (ग) सही है।**

(iv) **विकल्प (क) सही है।**

(v) **विकल्प (ख) सही है।**
व्याख्या—प्रस्तुत पद्यांश में पशुराम को बाल ब्रह्मचारी कहा गया है।

10. (i) कवि ने संगतकार की आवाज़ को "सुंदर काँपती हुई" इसीलिए कहा है क्योंकि वह मुख्य गायक के साथ सामंजस्य बैठाते हुए गाता है, लेकिन उसका स्वर उतना प्रखर नहीं होता। उसकी आवाज़ में समर्पण, विन्रमता और संकोच झलकता है, जो उसे मुख्य गायक से अलग लेकिन भावनात्मक रूप से गहराई से जुड़ा हुआ दर्शाता है।

(ii) संभावित शीर्षक: " मन की उलझन"
कारण: इस कविता में कवि अपनी भावनाओं, विचारों और कल्पनाओं को कागज समेटने में असमर्थता महसूस करता है। उसकी सोच विशाल और अनियंत्रित है, जो सीमित स्थान में समाहित नहीं हो पा रही। "मन की उलझन" शीर्षक कविता की इसी भावना को प्रकट करता है, जहाँ कवि के मन में विचारों का असीम प्रवाह है, लेकिन उन्हें संक्षिप्त रूप में व्यक्त करना कठिन हो रहा है।

(iii) कवि ने 'फसल को' " पानी का जादू" इसलिए कहा है क्योंकि पानी के बिना फसल उगना असंभव है। जब बीज मिट्टी में पड़ता है और उसे पानी मिलता है, तो वह अंकुरित होकर हरी-भरी फसल में परिवर्तित जाता है। यह परिवर्तन जादू की तरह प्रतीत होता है, जहाँ पानी के स्पर्श से सूखी मिट्टी भी जीवनदायिनी बन जाती है।

(iv) कवि अपने दु:खी और विफलताओं को प्रकट नहीं करना चाहता क्योंकि वह आत्मकरुणा से बचना चाहता है। वह अपनी सुखद स्मृतियाँ भी साझा नहीं करता क्योंकि वह उसकी व्यक्तिगत अनुभूतियाँ हैं। वह आत्मकथ्य में अपने अनुभवों के भीतर तक जीवन मौन रहना अधिक उपयुक्त समझता है।

11. (i) मैं क्यों लिखता हूँ पाठ के संदर्भ में, लेखक ने सामाजिक अन्याय और हिंसा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने पर ज़ोर दिया है। हिरोशिमा जैसी भयावह घटना को रोकने के लिए युवा पीढ़ी को शांति, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को अपनाना चाहिए। वे जागरूकता फैलाकर, जिम्मेदार नागरिक बनकर और युद्ध विरोधी विचारों को प्रोत्साहित करके ऐसे विनाशकारी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोक सकते हैं।

(ii) साना-साना हाथ जोड़ि पाठ के आधार पर पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उत्तरदायी पर्यटन को बढ़ावा देना आवश्यक है। यात्रियों को स्थानीय संस्कृति, पर्यावरण और संसाधनों के प्रति संवेदनशील बनाना चाहिए। अनावश्यक कूड़ा-करकट न फैलाना, प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखना, स्थानीय लोगों के जीवन में हस्तक्षेप न करना तथा स्थायी पर्यटन नीति अपनाना इसके समाधान हो सकते हैं।

(iii) भोलानाथ और उसके साथियों के खेल शारीरिक सक्रियता, सामूहिकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देते थे, जबकि वर्तमान में बच्चे सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स की गिरफ्त में आकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। वे इन पारंपरिक खेलों से प्रेरणा लेकर टीम वर्क, स्वच्छंदता और प्रकृति से जुड़ाव सीख सकते हैं, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव होगा।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

20 अंक

12. (i) वायु परिवर्तन:गहराता संकट

वायु परिवर्तन आज वैश्विक स्तर पर एक गंभीर संकट बन चुका है। जब पृथ्वी के औसत तापमान में असामान्य वृद्धि होती है और मौसम के पैटर्न में दीर्घकालिक परिवर्तन आते हैं, तो इसे जलवायु परिवर्तन कहा जाता है। इसके मुख्य कारणों में वायु प्रदूषण, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, वनों की कटाई और औद्योगीकरण शामिल हैं। इन कारणों से ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाएँ अधिक विनाशकारी हो रही हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (सौर एवं पवन ऊर्जा) का उपयोग, वनों की रक्षा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और जन जागरूकता ज़रूरी है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीर नहीं हुए, तो भविष्य में इसके घातक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अत:, जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा ताकि हमारी पृथ्वी और आने वाली पीढ़ियाँ सुरक्षित रह सकें।

(ii) नारी सशक्तीकरण

नारी सशक्तीकरण का अर्थ महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से सक्षम बनाना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें। वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता इसलिए है क्योंकि महिलाओं को अब भी कई क्षेत्रों में समान अवसर नहीं मिलते हैं। वे शिक्षा, रोज़गार, निर्णय लेने की प्रक्रिया और संपत्ति के अधिकारों में पिछड़ी हुई हैं।

भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन अब भी लैंगिक भेदभाव, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा और असमान वेतन जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं। इसके समाधान के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना, महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ना, सख्त कानून लागू करना और समाज में जागरूकता फैलाना आवश्यक है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना' और 'महिला आरक्षण' जैसे प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन असली सशक्तीकरण तभी संभव है जब समाज भी जागरूक होकर महिलाओं को समान अवसर प्रदान करे।

(iii) नैतिक शिक्षा–आज की आवश्यकता

नैतिक शिक्षा का अर्थ केवल अच्छे–बुरे का ज्ञान कराना नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण और समाज में सद्भावना स्थापित करना है। यह शिक्षा हमें ईमानदारी, सहानुभूति, दया, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता जैसे गुण सिखाती है।

वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। भ्रष्टाचार, असत्य, अनैतिक आचरण और स्वार्थपरता समाज में बढ़ रही हैं। विज्ञान और तकनीक के विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन नैतिकता की कमी से सामाजिक असंतुलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में नैतिक शिक्षा आज पहले से अधिक आवश्यक हो गई है।

नैतिक शिक्षा के प्रभाव से व्यक्ति अच्छा नागरिक बनता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। इसे बचपन से ही विद्यालयों और परिवारों में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों, प्रेरणादायक कहानियों और आदर्श व्यक्तित्वों के उदाहरणों से नैतिक मूल्यों को प्रभावी रूप से सिखाया जा सकता है। नैतिक शिक्षा को अपनाकर ही हम एक समृद्ध और संस्कारित समाज का निर्माण कर सकते हैं।

13. (i)

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक 28.02.2025

प्रिय अनुज,

स्नेह !

आशा है कि तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। आज मैं तुम्हें संयमित और स्वस्थ जीवन शैली के महत्त्व के बारे में बताना चाहता हूँ। स्वस्थ जीवन जीने के लिए अनुशासन और संयम बहुत आवश्यक हैं। सही समय पर सोना और उठना, संतुलित आहार लेना, नियमित व्यायाम करना और मानसिक शांति बनाए रखना हमारी सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है। जंक फूड और अनियमित दिनचर्या से कई बीमारियाँ जन्म लेती हैं, जिससे शरीर कमज़ोर हो जाता है। यदि हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखेंगे, तो न तो पढ़ाई में अच्छा कर पाएँगे और न ही जीवन में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसलिए, तुम नियमित रूप से व्यायाम करो, पौष्टिक भोजन लो और समय पर सोने–जागने की आदत डालो। अच्छे स्वास्थ्य से ही जीवन आनंदमय बनता है।

तुम्हारा स्नेही भाई,

राजन

अथवा

(ii) परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक 28.02.2025

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय,

वायु सेना विद्यालय

गोरखपुर

विषय—चरित्र प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु प्रार्थना-पत्र

महोदय,

नम्र निवेदन है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण अन्य शहर में हो गया है, जिसके कारण मुझे अपने नए विद्यालय में प्रवेश लेना है। प्रवेश प्रक्रिया के लिए मुझे आपके द्वारा जारी किया गया चरित्र प्रमाण पत्र आवश्यक है।

मैं आपके विद्यालय का एक अनुशासित एवं नियमित छात्र रहा हूँ तथा अध्ययन के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेता रहा हूँ। कृपया मुझे जल्द से जल्द चरित्र प्रमाण पत्र प्रदान करने की कृपा करें, जिससे मैं अपनी आगे की शिक्षा सुचारु रूप से जारी रख सकूँ।

आपकी कृपा के लिए मैं सदैव आभारी रहूँगा।

भवदीय

राजन

कक्षा-10 अनुक्रमांक- 123

14. (i) स्ववृत्त लेखन

नाम: नीलकांत

पता: आकाश विहार, कानपुर

संपक: 876895XX

ईमेल: vsp@gmail.com

मैं एक कुशल और समर्पित कंप्यूटर ऑपरेटर हूँ तथा इस क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव रखता हूँ। मुझे एम.एस. ऑफिस, डेटा एंट्री, ईमेल हैंडलिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग तथा अन्य आवश्यक कंप्यूटर अनुप्रयोगों का अच्छा ज्ञान है। टाइपिंग में मेरी गति और शुद्धता उत्कृष्ट है।

मैंने (अपनी डिग्री/डिप्लोमा) मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज से प्राप्त किया है और 5 वर्षों तक कंप्यूटर संचालन में कार्य किया है। मैं टीम के साथ कार्य करने में सक्षम हूँ और कठिनाइयों को हल करने की कुशलता रखता हूँ।

यदि मुझे यह अवसर दिया जाता है, तो मैं अपनी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करूँगा/करूँगी।

भवदीय

नीलकांत

अथवा

(ii) ई-मेल लेखन

प्रेषक: Neelkant@email.com

प्राप्तकर्ता: afs@gmail.com

विषय—पैन कार्ड खोने की सूचना एवं नया पैन कार्ड जारी करने हेतु अनुरोध

माननीय आयकर अधिकारी महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे पिताजी का पैन कार्ड हाल ही में कहीं खो गया है जिसका नंबर ASV5643 है। हमने इसे बहुत खोजने का प्रयास किया, लेकिन अब तक नहीं मिला। यह हमारे लिए एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसका उपयोग विभिन्न वित्तीय कार्यों में किया जाता है।

अत: आपसे अनुरोध है कि कृपया मेरे पिताजी के लिए डुप्लीकेट पैन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू करें। आवश्यक दस्तावेज संलग्न किए जा रहे हैं। कृपया हमें आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करें।

धन्यवाद।

भवदीय

नीलाक्षी:नीलकांत

15. (i) विज्ञापन

ऊर्जा बचाएँ, भविष्य संवारें!

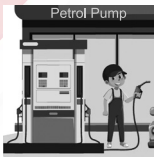

पेट्रोल, डीजल और गैस की बचत करें देश और पर्यावरण के हित में कम ईंधन खर्च करें, कारपूल अपनाएँ, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। ऊर्जा संरक्षण से ही स्वच्छ और हरित कल संभव है। आज बचाएँ, कल पाएँ!

पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी

अथवा

(ii) संदेश लेखन

बधाई-सन्देश

दिनांक 28.02.2025 समय: प्रात: 8 बजे

प्रिय दीदी,

आपकी कैप्टन से मेजर पद पर पदोन्नति की शुभ खबर सुनकर अत्यंत गर्व और खुशी हुई! आपकी मेहनत, समर्पण और साहस ने आपको इस मुकाम तक पहुँचाया है। आप हमेशा ऊँचाइयों को छूती रहें और देश की सेवा में नये कीर्तिमान स्थापित करें।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!

आपका भाई

अमन

Delhi Set-2 **कोड-3/4/2**

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. **(i)** शहनाई की आवाज़ जादुई होती है और उसका असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।

(ii) वे संस्कृत बोल सकती थीं। ऐसा माना जाता है।

(iii) सरल वाक्य

(iv) "जब मैं घर पहुंची"- आश्रित उपवाक्य क्रिया विशेषण है।

(v) पानी बचाओ विषय को समझते हुए उससे संबंधित विज्ञापन एकत्रित किया जाए।

4. **(i)** पिताजी द्वारा मन्नू भंडारी को बधाई दी गई।

(ii) उनके दकियानूसी मित्र ने मेरी खूब बुराई की।

(iii) भाववाच्य।

(iv) कहानी द्वारा कवि की सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त किया जाता है।

(v) भाववाच्य।

5. **(i)** **उन्होंने** सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग , कर्ता कारक

(i) **और** समुच्चयबोधक अव्यय

(ii) **नेता जी का चश्मा** संबंध कारक, पुल्लिंग, एकवचन, संज्ञा

(iii) **सहज** वर्तमान काल, विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग

(iv) **पीछे की तरफ** स्थानवाचक अव्यय

6. **(i)** उत्प्रेक्षा अलंकार।

(ii) मानवीकरण।

(iii) रूपक अलंकार।

(iv) जिस अलंकार के द्वारा किसी बात को बहुत बड़ा-चढ़कर बताया जाए, वहां अतिशयोक्ति अलंकार होता है। उदाहरण-तुम्हारी मुस्कुराहट ऐसी है कि मुर्दे में जान आ जाए।

(v) उपमा अलंकार

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

11. **(i)** आजकल के बच्चे क्रिकेट फुटबॉल आदि खेलों में अधिक रुचि रखते हैं इसके अतिरिक्त बहुत से बच्चे कमरों में रहकर अकेले खेलना चाहते हैं। इनमें प्रयोग होने वाली सामग्री अधिकतर बाज़ारी होती है। इस प्रकार के खेलों से बच्चों का मन एकांत प्रिय एवं बनावटी हो जाता है। भोलानाथ और उसके दोस्त खुले मैदान में खेलने जाते थे इनमें पक्षियों को उड़ाना, खेती-बाड़ी करना, भोज का प्रबंध करना, बारात निकलने आदि खेल होते थे। प्रयोग की जाने वाली सामग्री के रूप में बच्चों द्वारा निर्मित तथा प्राकृतिक वस्तुओं का प्रयोग किया जाता था। इससे उन बच्चों में प्रकृति से प्रेम के साथ-साथ मित्रता सहयोग एवं राष्ट्र प्रेम की भावना का विकास होता था।हमें अपने दोस्तों के साथ मैदान में खेलना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इससे शारीरिक और मानसिक विकास होता है

(ii) पाठ के अनुसार हम अपने मन में बहुत से विचारों के साथ उलझे रहते हैं। ये विचार कई बार हमारे मन में बेचैनी या अन्य भावों को जन्म देते हैं । लिखकर हम अपने इन भावों को स्पष्ट कर सकते हैं और अपने भीतर की बेचैनी को कागज पर उतार सकते हैं। लिखने के बाद अपने विचारों के कारण को समझा जा सकता है कि यह आंतरिक विचार थे या किसी बाहरी दबाव के कारण थे। अत: लिखना स्वयं को जानने में बहुत सहायक होता है।

(iii) सिक्किम में घूमते हुए लेखिका लॉन्ग स्टॉक नामक जगह पर गई। वहाँ पर एक घूमते हुए चक्र को देखकर यह पता चला कि यह धर्म चक्र है । इसे प्रेयर व्हील कहा जाता है और सभी को इसे घूमना चाहिए ताकि सारे पाप धुल जाए। जब लेखिका ने यह नहीं सुना तो वह समझ गई कि मैदानी क्षेत्र हो या पहाड़ी क्षेत्र, विज्ञान कितनी भी प्रगति कर ले किंतु देश की आत्मा एक जैसी है। लोगों की आस्थाएँ, विश्वास पाप - पुण्य की विचारधारा एवं अंधविश्वास और कल्पनाएं सभी एक जैसा ही है।

Delhi Set-3 **कोड-3/4/3**

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. रचना के आधार पर वाक्य भेद

(i) बिस्मिल्ला खाँ ने 80 वर्ष की अवस्था तक संगीत सीखने की जिजीविषा का बनाए रखा और उनकी यही सबसे बड़ी विशेषता थी।

व्याख्या—इसमें दो या दो से अधिक सरल वाक्य एवं, और, इसलिए इत्यादि योजाकों से जुड़े हुए होते हैं।

(ii) यही विवेकपूर्ण दृष्टि सम्पूर्ण नवजागरण काल की विशेषता है।

(iii) यह वाक्य अत्यंत सरल है।

व्याख्या—सरल वाक्य में एक ही विधेय तथा एक ही क्रिया होती है।

(iv) 'जब मैं विद्यालय पहुँची' यह आश्रित उपवाक्य है।

व्याख्या—यह वाक्य दूसरे उपवाक्य पर आश्रित होते हैं। इसमें कि, जो, जिसे, जब इत्यादि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

(v) काशी में एक प्राचीन और अद्‌भुत संगीत आयोजन की परम्परा है।

4. वाच्य

(i) माताजी ने मेरी प्रशंसा सुनी।

व्याख्या—कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है। इसमें 'के', 'द्वारा' परसर्ग का प्रयोग किया जाता है।

(ii) कर्मवाच्य

व्याख्या—इसमें कर्म प्रधान होता है। इस वाच्य में केवल सकर्मक क्रिया के ही वाक्य होते हैं।

(iii) भाववाच्य।

व्याख्या—भाववाच्य के अन्तगर्त भाव की प्रधानता होती है। इसमें क्रिया प्रथम पुरुष में ही व्यक्त होती है।

(iv) पिता जी के मित्र द्वारा मेरा भाषण सुना गया।

(v) भाववाच्य।

5. पद-परिचय

(i) 'सामने' क्रिया विशेषण, स्थानवाचक।

व्याख्या—क्रिया विशेषण वे शब्द है जो किसी क्रिया की विशेषता को बताते हैं। इनका प्रयोग क्रिया से पहले किया जाता है।

(ii) 'अपनी' सर्वनाम स्त्रीलिंग, सम्बन्ध सूचक।

व्याख्या—संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। इस वाक्य में अपनी शब्द स्त्रीलिंग के रूप में प्रयोग हुआ है जो सम्बन्ध सूचक है।

(iii) 'और' का प्रयोग संयोजक के रूप में हुआ है।

(iv) 'ग्रन्थ' 'संज्ञा' एकवचन, जातिवाचक।

(v) 'वे' सर्वनाम, अन्यपुरुष।

व्याख्या—जब वक्ता तीसरे व्यक्ति के लिए सर्वनाम का प्रयोग करता तो उसे अन्य पुरुष सर्वनाम कहते है।

6. अलंकार

(i) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ii) मानवीकरण अलंकार

व्याख्या—जिसमें मानवीय धर्म, गुण एवं भावना को प्रस्तुत किया जाए, वहाँ मानवीकरण अलंकार होता है।

(iii) उपमा अलंकार

व्याख्या—जब उपमेय में उपमान की समानता को बताया जाए, वहाँ उपमा अलंकार होता है।

(iv) रूपक अलंकार

व्याख्या—जब उपमेय और उपमान में कोई अतंर दिखाई न दे, वहाँ रूपक अलंकार विद्यमान होता है।

(v) अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण इस प्रकार है—

"पानी परात को हाथ छुयो नहि
नैनन के जल से पगु धोए।"

खंड-'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

11. पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधरित प्रश्नों के उत्तर

(i) भोलानाथ और उसके साथी खेल-खेल में चिड़ियों-चूहों आदि को तंग किया करते थे। उनका ऐसा करना उचित न था क्योंकि एक बार भोलानाथ और उसके साथी चिड़ियों को उड़ाने के पश्चात् चूहों के बिल में पानी फेंकने लगे। उन्होंने सोचा की चूहे निकल आएँगे लेकिन उस बिल से अचानक साँप निकल आया जिसे देखकर सभी भयभीत हो गए तथा रोते-चिल्लाते भागने लगे। भागते हुए अनेक काँटे पैरों में भी चुभ गए थे।

(ii) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने विज्ञान के विनाशकारी रूप को उजागर किया है। हम लेखक ही दृष्टि से सहमत है क्योंकि पाठ के अन्तर्गत हिरोशिमा बम विस्फोट के परिणामों को बिस्तार से बताया गया है। लेखक ने बम विस्फोट से आहत लोगों को अस्पतालों में देखा। इस बम विस्फोट से कई हज़ार लोग मारे गए। यह एक ऐसी किरण थी जिसने मनुष्य को भाप बनाकर ही उड़ा दिया। लेखक ने स्वयं हिरोशिमा के भयंकर रूप को देखा।

(iii) गंगटॉक के वर्तमान सुन्दर स्वरूप में वहाँ के निवासियों का अमूल्य योगदान है। वहाँ एक ऐसी धारणा है कि जो व्यक्ति देवी-देवताओं के स्थान पर गंदगी फैलाएगा वह मर जाएगा इसलिए वहाँ स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। वहाँ के लोग पहाड़, नदी, झरने इत्यादि की पूजा करते हैं। पहाड़िन भी रास्तों को चौड़ा बनाने का भी कार्य करती हैं।

Outside Delhi Set-1 **कोड-3/6/1**

खंड-'क' (अपठित बोध) 14 अंक

1. (i) **विकल्प (क) सही है।**
व्याख्या—शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्य भी प्रदान करते हैं।
(ii) **विकल्प (ख) सही है।**
व्याख्या—समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण ही गुरु को ब्रह्मा कहा गया है।
(iii) **विकल्प (ग) सही है।**
(iv) शिक्षक को पथ- प्रदर्शक इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह अपने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन-कौशल और नैतिक-मूल्यों का भी ज्ञान प्रदान करते हैं।
(v) कबीरदास जी ने गुरु की तुलना कुम्हार से इसलिए की है क्योंकि गुरु भी कुम्हार की भाँति ही अपने कच्चे घड़े के समान शिष्य को उसकी कमियों को दूर करके उसको विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है।

2. (i) **विकल्प (ग) सही है।**
व्याख्या—कवि आत्मविश्वासी है इसीलिए वह किसी और के द्वारा बनाए गए मार्ग का अनुसरण नहीं करना चाहता है।
(ii) **विकल्प (ख) सही है।**
व्याख्या—अक्षम और निराश लोग ही दूसरों के सहारे अपना जीवन जीते हैं।
(iii) **विकल्प (क) सही है।**
(iv) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को प्राथमिकता देना चाहता है।
(v) गर्व से आकाश थामें खड़े ताड़ के पेड़ कवि को आत्मविश्वास की प्रेरणा देते हैं और नदी बनने की प्रतीक्षा में शुष्क नाले में नाचता एक अँजूरी जल जीवन में सदा आशान्वित रहने की प्रेरणा देता है।

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण) 16 अंक

3. (i) काशी में कलाधर-हनुमान और नृत्य-विश्वनाथ हैं।
(ii) शहनाई की जादुई आवाज़ का जो असर होता है, वह हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।
(iii) मिश्रित वाक्य
(iv) 'जो यह बातें बता रहे हैं।' विशेषण आश्रित उपवाक्य है।
(v) रास्ते खतरनाक थे इसलिए हम मौन हो गए।

4. (i) पंत के द्वारा प्रकृति परक कविताएँ लिखी गई हैं।
(ii) भाववाच्य
(iii) उन्होंने मुझे सच्चाई का एहसास कराया।
(iv) कर्तृवाच्य
(v) कर्मवाच्य

5. (i) काशी- व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
(ii) प्रधान- गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'नाटककार' विशेष्य का विशेषण
(iii) रोते-चिल्लाते- रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'भाग चले' क्रिया की विशेषता
(iv) और- समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय
(v) उन्होंने- अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

6. (i) रूपक अलंकार
(ii) उपमा अलंकार
(iii) देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन को जा रही।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में बात को लोक-सीमा से बहुत ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।
(iv) मानवीकरण अलंकार
(v) उत्प्रेक्षा अलंकार

खंड-'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित) 30 अंक

7. (i) **विकल्प (क) सही है।**
व्याख्या—पानवाले द्वारा कैप्टन का मज़ाक उड़ने पर हालदार साहब आश्चर्यचकित रह गए।
(ii) **विकल्प (ख) सही है।**
(iii) **विकल्प (ग) सही है।**
व्याख्या—पानवाला चश्मेवाला का मज़ाक उडा रहा था ।
(iv) **विकल्प (क) सही है।**
(v) **विकल्प (ग) सही है।**

8. (i) बालगोबिन भगत का जीवन संत प्रवृत्ति का था, लेकिन उन्होंने संन्यास नहीं लिया था। वे अपने परिवार के भरण-पोषण की ज़िम्मेदारी निभाते थे और स्वयं खेती-बाड़ी करके जीवनयापन करते थे। उनके जीवन में संतुलन था-एक ओर वे ईश्वर भक्ति में लीन रहते थे, तो दूसरी ओर पारिवारिक दायित्वों को भी पूरी निष्ठा से निभाते थे।
(ii) बिस्मिल्ला खाँ के मन में काशी के प्रति गहरा अनुराग था क्योंकि वहीं उनके संगीत साधना की जड़ें थीं। काशी की गंगा, मंदिर, घाट और वहाँ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा ने उनके संगीत को दिशा दी। उनके लिए काशी केवल एक शहर नहीं, बल्कि उनकी आत्मा का हिस्सा थी।

(iii) **संस्कृति** मनुष्य के आचरण, विचार, भाषा, कला, परंपरा और नैतिक मूल्यों का परिष्कृत रूप है, जो समाज को उन्नति की ओर ले जाता है। यह सभ्यता, शिष्टता और सद्गुणों से जुड़ी होती है।

असंस्कृति इसके विपरीत, असभ्य आचरण, अशिष्टता, अनैतिकता और अव्यवस्थित जीवनशैली को दर्शाती है, जो समाज में अव्यवस्था और पतन का कारण बनती है।

(iv) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका मृदुला गर्ग के जीवन पर उनकी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने लेखिका को तर्कशील बनना सिखाया और उनकी सोच को एक नई दिशा दी। शीला अग्रवाल के मार्गदर्शन ने मृदुला गर्ग के आत्मविश्वास और स्वतंत्र विचारधारा को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

9. (i) **विकल्प (घ) सही है।**

व्याख्या—गोपियों ने योग की शिक्षा ऐसे लोगों को देने के लिए कहा है जिनका मन चाकरी के समान चंचल है।

(ii) **विकल्प (ग) सही है।**

(iii) **विकल्प (ख) सही है।**

व्याख्या—पद्यांश में योग को व्याधि के समान बताया गया है।

(iv) **विकल्प (क) सही है।**

(v) **विकल्प (ख) सही है।**

व्याख्या—कथन और करण दोनों ही गलत हैं।

10. (i) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में शिशु से मिलकर कवि को एक अनोखी और आनंदमय अनुभूति होती है। शिशु की निष्कलुष हंसी और मासूमियत कवि के हृदय में प्रेम, आशा और उल्लास भर देती है। उसे शिशु की मुस्कान में संसार की समस्त चिंताओं से मुक्त एक निर्मल आनंद दिखाई देता है। शिशु की निश्छलता कवि को भी निष्पाप बनने की प्रेरणा देती है और वह इस पवित्र मुस्कान में जीवन की सच्ची खुशी महसूस करता है।

(ii) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि ने उस अनदेखे सत्य को उजागर किया है कि मुख्य कलाकार की सफलता में संगतकार की अहम भूमिका होती है, लेकिन उसे उचित मान-सम्मान नहीं मिलता। समाज में सहयोगियों का योगदान अक्सर उपेक्षित रह जाता है, जबकि वे सफलता की आधारशिला होते हैं।

(iii) **'उत्साह'** कविता की इस पंक्ति में बादलों को 'अनंत के घन' इसलिए कहा गया है क्योंकि वे अज्ञात दिशा से आकर आकाश में विस्तृत हो जाते हैं और अनंत आकाश का ही हिस्सा लगते हैं। यह उपमा बादलों की विशालता, अप्रत्याशित आगमन और उनकी असीमित ऊर्जा को दर्शाती है, जिससे वे जीवन में उत्साह और नई आशाओं का संचार करते हैं।

(iv) कवि जयशंकर प्रसाद जी ने इस पंक्ति के माध्यम से अपने जीवन के त्यागमय और निष्काम भाव को प्रकट किया है। वे कहते हैं कि लोग उनके गीतों को सुनकर आनंदित होंगे, लेकिन उनका अपना जीवन कष्टमय और संवेदनहीन रहेगा, जैसे जलहीन रीती गागर। यह उनके आत्मसंयम और निस्वार्थ भक्ति को दर्शाता है।

11. (i) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लेखक के स्वभाव और आत्मानुशासन का उनके लेखन में महत्त्वपूर्ण योगदान है। लेखक के भीतर गहरी संवेदनशीलता, सत्य के प्रति निष्ठा और समाज की समस्याओं को समझने की तीव्र इच्छा है, जो उन्हें लिखने के लिए प्रेरित करती है। आत्मानुशासन के कारण वे अपने विचारों को स्पष्ट, प्रभावी और संगठित रूप में प्रस्तुत कर पाते हैं। लेखन उनके लिए केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है, जिससे वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं।

(ii) **"साना साना हाथ जोड़ि..."** पाठ के आधार पर, जितेन नार्गे जैसे गाइड के साथ पर्यटन स्थल का भ्रमण अधिक आनंददायक और यादगार बनता है क्योंकि वे न केवल मार्गदर्शन करते हैं, बल्कि स्थल की संस्कृति, इतिहास और स्थानीय परंपराओं से भी पर्यटकों को परिचित कराते हैं। जितेन नार्गे अपने ज्ञान, व्यवहार-कुशलता और सौहार्द्रपूर्ण स्वभाव के कारण यात्रा को रोचक बनाते हैं। वे पर्यटकों की रुचि के अनुसार सूचनाएँ साझा करते हैं, जिससे यात्रा यादगार बन जाती है।

(iii) **माता का अँचल** पाठ में बाबूजी तब नाराज़ हो जाते थे जब माताजी बच्चे को ज़्यादा लाड़-प्यार करती थीं और उसकी गलतियों को नज़र-अंदाज़ कर देती थीं। वे मानते थे कि ज़्यादा दुलार से बच्चा बिगड़ सकता है, इसलिए वे कठोर अनुशासन में विश्वास रखते थे।

आज भी कई घरों में ऐसा देखा जाता है, जहाँ पिता अनुशासनप्रिय होते हैं और माता अधिक स्नेहशील। बच्चे की परवरिश को लेकर माता-पिता के विचार भिन्न हो सकते हैं, लेकिन दोनों का उद्देश्य संतान का भला करना ही होता है।

खंड-'घ'
(रचनात्मक लेखन)

20 अंक

12. (i)

पर्यावरण की आत्मा : वृक्ष

पर्यावरण हमारे चारों ओर मौजूद वह प्राकृतिक संसार है जिसमें जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, जल, वायु और भूमि का सामूहिक अस्तित्व होता है। यह हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें स्वच्छ हवा, जल और भोजन प्राप्त होता है।

पर्यावरण में वृक्षों की अहम भूमिका होती है। वृक्ष न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने, जल संतुलन बनाए रखने और भूमि कटाव रोकने में भी सहायक होते हैं। वे पक्षियों और जीव-जंतुओं को आश्रय देते हैं और जलवायु परिवर्तन की समस्या को नियंत्रित करने में योगदान देते हैं।

आज के समय में वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण पर्यावरण संकट में है। इसे रोकने के लिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। सरकार और सामाजिक संस्थाएँ वृक्षारोपण अभियान चला रही हैं, जिनमें हमें भी भाग लेना चाहिए। यदि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो हमारा पर्यावरण हरा-भरा और संतुलित बना रहेगा।

(ii) डिजिटल इंडिया

डिजिटल इंडिया भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और तकनीक के माध्यम से सुविधाओं को आसान बनाना है। यह कार्यक्रम 1 जुलाई 2015को शुरू किया गया था, जिससे देश के हर नागरिक को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का प्रयास किया गया।

डिजिटल होने के कई लाभ हैं। इससे सरकारी सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध हो गई हैं, जिससे पारदर्शिता और सुविधा बढ़ी है। लोग घर बैठे बिल भुगतान, ऑनलाइन शिक्षा, बैंकिंग और खरीदारी जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, डिजिटल लेनदेन से काले धन और भ्रष्टाचार पर भी रोक लगी है।

सरकार ने डिजिटल इंडिया को सफल बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जैसे—आधार कार्ड को ऑनलाइन सेवाओं से जोड़ना, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट पहुँचाना और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना। इस पहल से भारत तेजी से डिजिटल युग में आगे बढ़ रहा है।

(iii) डेंगू बुखार की मार

डेंगू एक विषाणुजनित रोग है, जो *एडीज* मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर अधिकतर दिन के समय काटता है और साफ़ पानी में पनपता है। डेंगू के फैलने का मुख्य कारण गंदगी और रुके हुए पानी में मच्छरों का बढ़ना है। बरसात के मौसम में इसका प्रकोप अधिक देखा जाता है।

डेंगू के लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, जोड़ों में सूजन, आंखों के पीछे दर्द और त्वचा पर लाल चकत्ते शामिल हैं। कुछ गंभीर मामलों में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से गिरने लगती है, जिससे रोगी को रक्तस्राव और अन्य जटिलताएँ हो सकती हैं।

डेंगू से बचाव के लिए पानी को कहीं भी इकट्ठा न होने दें, कूलर और गमलों की सफाई करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और मच्छरदानी का उपयोग करें। यदि डेंगू के लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें और भरपूर आराम करें। जागरूकता और स्वच्छता ही इससे बचाव के सबसे प्रभावी उपाय हैं।

13. (i) परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक 28.02.2025

आदरणीय दादीजी,

सादर प्रणाम

आशा है आप स्वस्थ और प्रसन्न हैं। हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने कुल छह पदक जीते, जिनमें एक रजत और पाँच कांस्य शामिल हैं। नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया। निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, और सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य प्राप्त किया। स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीता। पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2 - 1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। कुश्ती में, अमन सहरावत ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीता। हालांकि पदक संख्या में कमी आई है, लेकिन हमारे खिलाड़ियों का समर्पण और मेहनत सराहनीय है।

आपका स्नेहाशीष,

आदित्य

अथवा

(ii) परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक 28.02.2025

सेवा में,

नगरपालिका अध्यक्ष महोदय,

गोमती नगर

विषय: मोहल्ले में आवारा पशुओं की समस्या के समाधान हेतु निवेदन

महोदय,

मैं अदिति/आदित्य, गोमती नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में आवारा पशुओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गाय, कुत्ते और सूअर सड़कों पर घूमते रहते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाएँ भी बढ़ रही हैं। कई बार ये पशु बच्चों और बुजुर्गों पर हमला भी कर देते हैं, जिससे मोहल्ले में भय का माहौल बना हुआ है।

अत: आपसे अनुरोध है कि जल्द से जल्द उचित कदम उठाएँ, ताकि इस समस्या का समाधान हो सके और नागरिकों को राहत मिले।

धन्यवाद।

भवदीय

आदित्य

गोमती नगर

14. (i) स्ववृत लेखन

नाम: भव्य

पता: गोरखनाथ, गोरखपुर

संपर्क नंबर: 87879595XX

ईमेल: abs@gmail.com

शिक्षा:

- बी.लिब. (पुस्तकालय विज्ञान) - 2005

अनुभव:

- 5 वर्ष का अनुभव नवोदय विद्यालय कानपुर में
- पुस्तकालय प्रबंधन, कैटलॉगिग, डिजिटल पुस्तकालय प्रणाली और शोध सहायता में दक्षता।

कौशल:

- पुस्तकालय संगठन एवं प्रबंधन
- पाठकों की सहायता और शोध संदर्भ सेवाएँ
- आधुनिक पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का ज्ञान

मैं अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर आपके सार्वजनिक पुस्तकालय में पुस्तकालय अध्यक्ष पद के लिए आवेदन करता हूँ। आशा है कि मुझे यह अवसर मिलेगा, जिससे मैं अपने कौशल और सेवाओं से पुस्तकालय को समृद्ध बना सकूँ।

धन्यवाद।

(ii) ई–मेल लेखन

प्रेषक: bhavya@email.com

प्राप्तकर्ता: afs@gmail.com

विषय: जन्मतिथि सुधार हेतु निवेदन

आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय,

सविनय निवेदन है कि विद्यालय में नामांकन के समय मेरी जन्मतिथि गलत दर्ज हो गई थी। विद्यालय के रिकॉर्ड में मेरी जन्मतिथि 11.02.2011 अंकित है, जबकि मेरी वास्तविक जन्मतिथि 11.02.2012 है, जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र में भी दर्ज है।

चूँकि दसवीं कक्षा के पंजीकरण की प्रक्रिया शीघ्र ही होने वाली है, कृपया आवश्यक सुधार करने की कृपा करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जन्म प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न है।

आपसे शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा है।

धन्यवाद।

सादर,

भव्य

कक्षा: 10वीं, अनुक्रमांक: 122

विद्यालय: केन्द्रीय विद्यालय कानपुर

15. (ii) विज्ञापन लेखन

सड़क सुरक्षा — जीवन रक्षा!

- अपनी सुरक्षा, अपने हाथ! हेलमेट और सीट बेल्ट लगाएँ, जीवन को सुरक्षित बनाएँ।
- ट्रैफिक नियमों का पालन करें, दुर्घटनाओं से बचें!
- मोबाइल का इस्तेमाल ड्राइविंग के दौरान न करें, सावधानी ही सुरक्षा है।
- तेज गति नहीं, सतर्कता अपनाएँ घर पर परिवार आपका इंतजार कर रहा है!
- जेब्रा क्रॉसिंग पर रुकें, पैदल यात्रियों का सम्मान करें।
- नशे में वाहन न चलाएँ आपकी एक गलती कई जिंदगियाँ छीन सकती है!
- याद रखें सावधानी हटी, दुर्घटना घटी!
- ट्रैफिक पुलिस, गोरखपुर द्वारा जनहित में जारी!

(ii) संदेश संदेश

बधाई-सन्देश

दिनांक 28.02.2025 समय प्रात: 8 बजे

प्रिय मित्र रोहन

तुम्हारी शानदार सफलता पर दिल से बधाई! प्रादेशिक स्तर की 100 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान हासिल करना वास्तव में कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। तुम्हारी यह उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व की बात है। इसी तरह आगे बढ़ते रहो!

शुभकामनाएँ,

तुम्हारा मित्र

आलोक

Outside Delhi Set-2 **कोड-3/6/2**

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) काशी संस्कृति की पाठशाला के साथ-साथ शास्त्रों का आनंदकानन भी है।

(ii) जो श्लोक शकुंतला द्वारा रचे गए उनकी भाषा संस्कृत थी।

(iii) मिश्रित वाक्य

(iv) जो पुस्तकालय में मिली थी। विशेषण आश्रित उपवाक्य है।

(v) पिताजी पूजा-पाठ करते थे और राम-राम लिखते थे।

4. (i) कर्तृवाच्य

(ii) उनके द्वारा सामाजिक छवि को उजागर किया गया।

(iii) भाववाच्य

(iv) निराला ने अनेक गीतों की रचना की।

(v) कर्मवाच्य

5. (i) लंगड़ाता हुए-रीतिवचन क्रियाविशेषण,'चलना' क्रिया की विशेषता

(ii) खुले-गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'सोच' विशेष्य का विशेषण

(iii) हिरण-जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(iv) और-समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय

(v) उन्होंने-अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ताकारक

6. (i) रूपक अलंकार

(ii) देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन को जा रही।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में बात को लोक-सीमा से बहुत ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

(iii) उपमा अलंकार

(iv) मानवीकरण अलंकार

(v) उत्प्रेक्षा अलंकार

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

11. (i) बाबूजी का भोलानाथ और उसके साथियों के नाटकीय खेल में शामिल होना उनके स्नेह और जुड़ाव को दर्शाता है, लेकिन बच्चों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के दृष्टिकोण से यह उचित नहीं था। बच्चों की कल्पनाशीलता और स्वाभाविकता बनी रहे, इसके लिए आवश्यक है कि वे बिना संकोच और दबाव के खेलें। वयस्कों की उपस्थिति से वे असहज महसूस कर सकते हैं, जिससे उनका खेल बाधित हो सकता है। इसलिए, बाबूजी का बार-बार हस्तक्षेप करना उचित नहीं था।

(ii) देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक कठिन परिस्थितियों में रहकर हमारी रक्षा करते हैं। एक जागरूक नागरिक के रूप में, मैं अपने गाँव या शहर में देशभक्ति और जागरूकता फैलाने का प्रयास कर सकता हूँ। स्वच्छता अभियान में भाग लेकर, पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाकर और लोगों को शिक्षित करके मैं समाज के विकास में योगदान दे सकता हूँ। साथ ही, सैनिकों के परिवारों की सहायता कर उनके बलिदान का सम्मान कर सकता हूँ।

(iii) अज्ञेय 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखन को अपने भीतर की अनुभूति और सत्य को व्यक्त करने का माध्यम मानते हैं। वे समाज की पीड़ा, अन्याय और मानवीय त्रासदी को उजागर करने के लिए लिखते हैं। हिरोशिमा पर हुए परमाणु हमले ने मानवता को गहरे आघात पहुँचाया था। इसकी विभीषिका और विनाश को देखकर वे मौन नहीं रह सके। अपने भीतर पीड़ा और संवेदना को अभिव्यक्त करने के लिए वे हिरोशिमा पर कविता लिखने के लिए विवश हुए, ताकि सत्य को उजागर कर सकें और मानवता को जागरूक कर सकें।

Outside Delhi Set-3 **कोड-3/6/3**

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) काशी आज भी संगीत के स्वर पर जागती और सोती है।

(ii) व्याकरण और वर्तनी के जो नियम द्विवेदी जी ने स्थिर किए, वे लेखकों की सुविधा के लिए थे।

(iii) मिश्रित वाक्य

(iv) जो कल यहाँ आया था। विशेषण आश्रित उपवाक्य है।

(v) ये बोल सुबह की प्रार्थना के थे और मैंने इसे नेपाली युवक से सीखे थे।

4. (i) बालगोबिन भगत ने पतोहू को मायके भेज दिया था।

(ii) भाववाच्य

(iii) भाववाच्य

(iv) निराला द्वारा अपनी रचनाओं के माध्यम से परिवर्तन का आह्वान किया गया है।

(v) कर्तृवाच्य

5. (i) ध्वनि-जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक

(ii) पाँचवे-संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन 'मंडल' विशेष्य का विशेषण

(iii) देर तक-कालवाचक क्रियाविशेषण

(iv) और–समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय

(v) वे–अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

6. (i) रूपक अलंकार

(ii) देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन को जो रही।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में बात को लोक-सीमा से बहुत ज़्यादा बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

(iii) उपमा अलंकार

(iv) मानवीकरण

(v) उपमा अलंकार

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

30 अंक

11. (i) वर्तमान समय में भी माता–पिता अपने बच्चों से उतना ही प्रेम करते हैं, जितना 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ को मिलता है। हालांकि, जीवनशैली में बदलाव, व्यस्तता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण माता–पिता और बच्चों के बीच समय का अभाव हो गया है। फिर भी, उनका स्नेह और त्याग पहले जैसा ही बना रहता है। आवश्यकता इस बात की है कि माता–पिता और बच्चे आपसी संवाद बनाए रखें ताकि प्रेम और संस्कारों की यह परंपरा सजीव बनी रहे।

(ii) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर कहा जा सकता है कि गहन संवेदना की अनुभूति ही सृजन की प्रेरणा देती है। लेखक का लेखन उनके भीतर की पीड़ा, समाज के प्रति जागरूकता और व्यक्तिगत अनुभवों से उत्पन्न संवेदनाओं का परिणाम है। वे सामाजिक अन्याय, विषमता और पीड़ा को गहराई से महसूस करते हैं, जो उन्हें लिखने के लिए बाध्य करता है। उनके लेखन का उद्देश्य केवल अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करना और परिवर्तन की प्रेरणा देना है।

(iii) '**साना साना हाथ जोड़ि...**' के आधार पर सिक्किम की पर्वतीय महिलाओं की स्थिति कठिन परिश्रम, संघर्ष और सहनशीलता से भरी हुई दिखाई देती है। वे प्रात: काल से ही कठिन कार्यों में जुट जाती हैं—लकड़ियाँ बटोरना, जल संग्रह करना और कृषि कार्य करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। जीवन कठिन होते हुए भी वे प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलती हैं। इसके बावजूद वे अपनी संस्कृति, परंपराओं और लोकगीतों से जुड़ी रहती हैं, जो उनके जीवन में सौंदर्य और ऊर्जा भरते हैं।

❑❑❑

OSWAAL 360